1. रुद्रप्रयाग का ऐतिहासिक स्वरूप

- रुद्रप्रयाग प्राचीन काल से शिव-उपासना का प्रमुख केंद्र रहा है।
- क्षेत्र का पुराना नाम पुनाड़ तथा महाभारत काल में रूद्रावर्त बताया गया है।
- यह स्थान पंचप्रयागों में से एक है जहाँ अलकनंदा और मंदाकिनी नदियाँ मिलती हैं।
- रुद्रप्रयाग जिले का गठन 16 सितम्बर 1997 को तीन जिलों–टिहरी, पौड़ी, चमोली–के चुनिंदा ब्लॉकों और पट्टियों को मिलाकर किया गया।
- चमोली से – अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ, पोखरी/कर्णप्रयाग का भाग।
- टिहरी से – जखोली और कीर्तिनगर का हिस्सा।
- पौड़ी से – खिर्सू ब्लॉक का आंशिक हिस्सा।
- 1989 में इसे तहसील का दर्जा मिला।
- 2002 में नगर पंचायत, 2006 में नगरपालिका बनी।
- जिले के गठन के समय यह क्षेत्र लगभग शिव मंदिरों का क्षेत्र माना जाता था।
- रुद्रप्रयाग का नाम "रुद्र" + "प्रयाग" से मिलकर बना – शिव के रुद्र रूप और प्रयाग (संगम स्थल) का संयोजन।
- यह क्षेत्र पांडवों की तपस्थली और शिव के ध्यान-स्थल के रूप में भी मान्यता है।

2. भौगोलिक स्थिति

- रुद्रप्रयाग जिला पूरी तरह पर्वतीय है और मध्य हिमालय तथा वृहत हिमालय के संधि क्षेत्र में स्थित है।
- क्षेत्रफल – 1984 वर्ग किमी, राज्य में 12वाँ सबसे बड़ा जिला।
- ऊँचाई लगभग 800 मीटर से 3500 मीटर तक बदलती है।

- जिले से 4 जिलों की सीमाएँ मिलती हैं – चमोली, टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी।
- यह राज्य का पूर्णतः "आंतरिक जिला" है – किसी सीमावर्ती राज्य या देश से नहीं जुड़ता।
- जिले के मुख्य अक्षांश-देशांतर – 30° उत्तर, 78° पूर्व।
- रुद्रप्रयाग के भू-आकृतिक भाग –

– गहरी नदी घाटियाँ
– तीखी ढालों वाले पर्वत
– ऊँचाई आधारित कृषि क्षेत्र
– हिमरेखा के निकट उच्च हिमालयी घासस्थल

- जलवायु ऊँचाई के अनुसार बदल जाती है – निचले क्षेत्रों में मध्यम तापमान, ऊँचाई पर शीत-प्रधान जलवायु।
- रुद्रप्रयाग से केदारनाथ, तुंगनाथ और मध्यमहेश्वर जैसी ऊँचाई वाली तीर्थ-स्थलियों के मार्ग निकलते हैं।

3. प्रशासनिक प्रोफ़ाइल

- कुल जनसंख्या – 2,42,285
- जनसंख्या घनत्व – 122 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
- लिंगानुपात – 1114 (उत्तराखण्ड में सर्वाधिक)
- पुरुष साक्षरता – 93.90% (राज्य में प्रथम)
- महिला साक्षरता – लगभग 76%
- नगरीय आबादी – 4.10% (अत्यंत ग्रामीण जिला)
- कुल गाँव – लगभग 600+
- तहसील – 4 : ऊखीमठ, जखोली, वसुकेदार, रुद्रप्रयाग
- विकासखंड – 3 : ऊखीमठ, जखोली, अगस्त्यमुनि
- नगरपालिका – 1 : रुद्रप्रयाग नगर
- विधानसभा सीटें – 2 : रुद्रप्रयाग, केदारनाथ
- प्रशासनिक ढाँचा मुख्यतः –

– तीर्थ यात्रा प्रबंधन

– आपदा प्रबंधन

– उच्च हिमालयी क्षेत्रों में सड़क और संचार पहुँच

– तीर्थ/पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था

• यहाँ केदारनाथ धाम यात्रा के कारण बड़ी संख्या में मौसमी प्रशासनिक स्टाफ तैनात किया जाता है।

4. प्रमुख नदियाँ

• रुद्रप्रयाग की दो मुख्य जीवनदायिनी नदियाँ – अलकनंदा और मंदाकिनी।

• जिले के नाम का केंद्र बिंदु – अलकनंदा + मंदाकिनी संगम।

• मंदाकिनी नदी –

– उद्गम: चोराबाड़ी ग्लेशियर, केदारनाथ

– सहायक नदियाँ: मधुगंगा, लस्तर, रावण गंगा, बासुकी (सोन)

• सूर्यप्रयाग – मंदाकिनी + लस्तर का संगम।

• सोनप्रयाग – मंदाकिनी + बासुकी का संगम।

• रावणगंगा – अगस्त्यमुनि की ओर महत्वपूर्ण सहायक नदी।

• अलकनंदा – इस जिले में संगम के बाद अगले प्रयागों की ओर बढ़ती है।

• जलवैज्ञानिक दृष्टि से मंदाकिनी घाटी अत्यंत सक्रिय ग्लेशियर जोन है।

5. ताल / सरोवर

• गांधी सरोवर (चोराबाड़ी ताल) –

– केदारनाथ के ऊपर स्थित हिम-ताल।

– 1948 में गांधी जी की अस्थियाँ यहाँ विसर्जित की गईं।

– 2013 आपदा का पहला टूटने वाला बिंदु यही था।

• देवरिया ताल –

– ऊखीमठ के पास; पुराणिक नाम इन्द्रसरोवर।

– पर्वतों के प्रतिबिंब के कारण अत्यंत फोटोजेनिक एवं ट्रैकिंग क्षेत्र।

- कलताल (कल्ला ताल) – अंडाकार आकार का ताल।
- बदाणी ताल, सुखड़ी ताल – स्थानीय पारंपरिक ताल।
- वासुकी ताल –

– रुद्रप्रयाग-टिहरी सीमा पर।

– समुद्र तल से अत्यधिक ऊँचाई पर स्थित, कठिन मार्ग।

6. बुग्याल / पयार

- रुद्रप्रयाग के बुग्याल गर्मियों में हरा-भरा चरागाह और सर्दियों में हिम-चादर बन जाते हैं।
- प्रमुख बुग्याल:

– कसनी खर्क (मध्यमहेश्वर के समीप)

– बर्मी बुग्याल

– चोपता बुग्याल – हिमालय का मिनी स्विट्जरलैंड

– मनणी बुग्याल

– अली बुग्याल (चमोली-रुद्रप्रयाग सीमा)

- बुग्यालों में हिमालयी औषधियाँ, बुग्याल-घास और दुर्लभ पक्षियाँ पाई जाती हैं।

7. गुफाएँ

- ब्रह्म गुफा – केदारनाथ मार्ग पर स्थित।
- भीम गुफा – केदारनाथ के ऊपरी क्षेत्र में।
- ध्यान गुफा – विशेष साधना-गृह, जहाँ प्रधानमंत्री द्वारा ध्यान करने के बाद प्रसिद्ध हुई।
- कोटेश्वर गुफा – अलकनंदा तट पर स्थित प्राचीन शिव-गुफा।
- प्राकृतिक गुफाओं का निर्माण हिमनदीय कटाव और चट्टानों की संरचना के कारण हुआ है।

8. प्रमुख कुंड

- गौरीकुंड –
– गरम जलस्रोत।
– केदारनाथ यात्रा का प्रथम बड़ा पड़ाव।
- नंदी कुंड – शीतल जल, मध्यमहेश्वर परिक्रमा मार्ग में महत्वपूर्ण।
- हंस कुंड, रेतस कुंड, अमृत कुंड – केदारनाथ क्षेत्र के ऊँचे भागों में।
- सरस्वती कुंड – त्रियुगी नारायण के पास।

9. वन, वन्यजीव व कृषि

- रुद्रप्रयाग जिले में कृषि योग्य भूमि राज्य में सबसे कम है।
- प्रमुख खेती –
– मक्का
– मंडुवा
– झंगोरा
– राजमा
– चौलाई
– सेब (ऊँचाई वाले गाँवों में)
- जगत सिंह चौधरी "जंगली" द्वारा विकसित मिश्रित वन-खेती प्रबंधन मॉडल यहाँ विशेष रूप से प्रचलित हुआ।
- प्रमुख वनस्पतियाँ – देवदार, भोजपत्र, बुरांश, सुरई, तिमूर, जड़ी-बूटियाँ।
- बुरांश यहाँ के उच्च हिमालयी क्षेत्रों का प्रतीक है।

10. प्रमुख मंदिर और धार्मिक स्थल

- पंचकेदारों में से तीन केदार –
– केदारनाथ
– तुंगनाथ
– मध्यमहेश्वर

- ऊखीमठ –

– केदारनाथ की शीतकालीन गद्दी यहीं लाई जाती है।

– ओंकारेश्वर मंदिर स्थित।

- गुप्तकाशी –

– अर्द्धनारीश्वर मंदिर

– गुप्तकाशी = जहाँ शिव पांडवों से छिपे हुए बताए जाते हैं।

- त्रियुगी नारायण –

– शिव-पार्वती विवाह स्थल

– यहाँ "अक्षय अग्नि" के नाम से जानी जाने वाली अग्नि प्राचीन काल से जलती मानी जाती है।

- कालीमठ – शक्तिपीठ, महाकाली का उपासना केंद्र।
- कोटेश्वर महादेव – अलकनंदा के किनारे गुफा मंदिर।
- कार्तिकस्वामी मंदिर – क्रौंच पर्वत की चोटी पर।
- मक्कूमठ – कत्यूरी शैली का प्राचीन मंदिर, मार्कण्डेय ऋषि से सम्बंधित।

11. प्रमुख पर्यटक स्थल

- चोपता – बुग्याल, ट्रैकिंग, हिम दृश्य – मिनी स्विट्जरलैंड।
- गुप्तकाशी, उखीमठ, अगस्त्यमुनि, सोनप्रयाग, त्रियुगी नारायण – तीर्थ-पर्यटन क्षेत्र।
- दुग्गल बिट्टा – शांत प्राकृतिक स्थल।
- तिलवाड़ा, जखोली, कालीमठ घाटी, मक्कूमठ – सांस्कृतिक व धार्मिक स्थल।

12. मेले और पर्व

- भतूज उत्सव – केदारनाथ के कपाट बंद होने के दिन।
- जाख मेला – आग पर नृत्य इसकी विशिष्टता।
- हरियाली देवी मेला – अगस्त्यमुनि।

- मठियाणा मेला, राकेश्वरी मेला, कोटेश्वर मेला – स्थानीय पर्व।

13. प्रमुख व्यक्तित्व

- उमाशंकर सतीश – जौनसारी भाषा और परदेश में हिंदी-संस्कृति पर महत्वपूर्ण लेखन।
- हरिदत्त भट्ट 'शैलेश' – साहित्य जगत के बड़े नाम; बेटी हिमानी शिवपुरी प्रसिद्ध अभिनेत्री।
- जगत सिंह चौधरी (जंगली) – उत्तराखण्ड वन विभाग के ब्रांड एम्बेसडर।
- चन्द्रकुँवर बर्त्वाल – काफल पाकू गीत के रचयिता; "हिमंवत" प्रमुख रचना।

14. अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- रुद्रप्रयाग राज्य का सबसे कम औद्योगिक गतिविधि वाला जिला है।
- प्रमुख लोकनृत्य – पांडव नृत्य, बगड़वाल नृत्य।
- सिंगोली-भटवाड़ी जलविद्युत परियोजना – मंदाकिनी पर स्थित।
- तुंगनाथ रुद्रप्रयाग में स्थित विश्व का सबसे ऊँचा शिव मंदिर है।
- रुद्रप्रयाग यात्रा मार्ग पर मौसम से जुड़े खतरे पूरे वर्ष मौजूद रहते हैं, विशेषकर बरसात में भूस्खलन की घटनाएँ बढ़ जाती हैं।

रुद्रप्रयाग से सम्बंधित महत्वपूर्ण प्रश्न -

1. रुद्रप्रयाग जनपद का गठन किन तीन जनपदों के हिस्सों को मिलाकर किया गया था?

A) टिहरी-पौड़ी-चमोली

B) पौड़ी-चमोली-उत्तरकाशी

C) टिहरी-चमोली-देहरादून

D) टिहरी-पौड़ी-रुद्रप्रयाग

Answer: A

2. रुद्रप्रयाग का प्राचीन नाम 'रूद्रावर्त' किस काल से संबंधित माना जाता है?

A) गुप्त काल

B) महाभारत काल

C) गोरखा शासन काल

D) कत्यूरी काल

Answer: B

3. पंचकेदारों में से कौन-सा केदार रुद्रप्रयाग में स्थित नहीं है?

A) केदारनाथ

B) तुंगनाथ

C) मध्यमहेश्वर

D) रुद्रनाथ

Answer: D (रुद्रनाथ चमोली में है)

4. रुद्रप्रयाग में सबसे बड़ा प्राकृतिक जलस्रोत 'गांधी सरोवर' किस ग्लेशियर से संबंधित है?

A) मनीमाहेश ग्लेशियर

B) चोराबाड़ी ग्लेशियर

C) भागीरथी ग्लेशियर

D) कीर्ति ग्लेशियर

Answer: B

5. मंदाकिनी नदी का उद्गम किस पर्वतीय क्षेत्र से माना जाता है?

A) नागदंत पर्वत

B) वसुंधरा शृंखला

C) मंदराचल श्रेणी

D) स्वर्गारोहिणी श्रेणी

Answer: C

6. मधुगंगा और मंदाकिनी नदी का संगम कहाँ स्थित है?

A) तिलवाड़ा

B) कालीमठ

C) सोनप्रयाग

D) अगस्त्यमुनि

Answer: B

7. "केदारनाथ धाम में पूजा 86 दिनों तक बाधित रही"– यह घटना किस वर्ष से संबंधित है?

A) 1991

B) 2001

C) 2010

D) 2013

Answer: D

8. रुद्रप्रयाग जनपद का कौन-सा बुग्याल मदमहेश्वर क्षेत्र के निकट स्थित है?

A) देवरिया बुग्याल

B) कसनी खर्क

C) पंवाली कांठा

D) दयारा बुग्याल

Answer: B

9. देवरिया ताल का प्राचीन नाम क्या है?

A) कैलास सरोवर

B) रोहिणी सरोवर

C) इन्द्रसरोवर

D) सप्तऋषि सरोवर

Answer: C

10. रुद्रप्रयाग जिले के किस स्थान को 'जलते अंगारों पर नृत्य' की परंपरा के लिए जाना जाता है?

A) अगस्त्यमुनि

B) गुप्तकाशी

C) उखीमठ

D) सोनप्रयाग

Answer: B (जाख मेला)

11. कोटेश्वर महादेव गुफा मंदिर किस नदी के किनारे स्थित है?

A) मंदाकिनी

B) अलकनंदा

C) विष्णुगंगा

D) पिंडर

Answer: B

12. निम्न में से कौन-सा रुद्रप्रयाग का प्रसिद्ध कुंड 'शीत जल' के लिए जाना जाता है?

A) गौरीकुंड

B) नंदी कुंड

C) हंस कुंड

D) पार्वती कुंड

Answer: B

13. त्रियुगी नारायण मंदिर किस घटना के लिए प्रसिद्ध है?

A) शिव-पार्वती का विवाह

B) आदिगुरु शंकराचार्य का तप

C) कौरव-पांडव युद्धस्थल

D) राजा सागर का यज्ञ

Answer: A

14. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार 'ध्यान गुफा' किस धाम के समीप स्थित है?

A) बद्रीनाथ धाम

B) केदारनाथ धाम

C) मदमहेश्वर धाम

D) तुंगनाथ धाम

Answer: B

15. मंदाकिनी की यह सहायक नदी "सूर्यप्रयाग" में मिलती है–

A) बासुकी

B) रावणगंगा

C) लस्तर

D) मधुगंगा

Answer: C

16. रुद्रप्रयाग में कृषि योग्य भूमि सबसे कम होने का मुख्य कारण क्या है?

A) अत्यधिक वर्षा

B) गहरी कंदराएँ और खड़ी ढालें

C) मृदा का अभाव

D) जनसंख्या अधिक

Answer: B

17. जगत सिंह चौधरी 'जंगली' किस क्षेत्र में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं?

A) पर्यटन

B) आपदा प्रबंधन

C) मिश्रित वन-खेती मॉडल

D) लोकसंगीत

Answer: C

18. रुद्रप्रयाग जिले का कौन-सा ग्लेशियर मंदाकिनी नदी के लिए प्रमुख स्रोत है?

A) बासुकी ग्लेशियर

B) चतुरंगी ग्लेशियर

C) चोराबाड़ी ग्लेशियर

D) दूनागिरी ग्लेशियर

Answer: C

19. पंचकेदारों में सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित मंदिर कौन-सा है?

A) केदारनाथ

B) तुंगनाथ

C) रुद्रनाथ

D) कल्पेश्वर

Answer: B (तुंगनाथ विश्व का सबसे ऊँचा शिव मंदिर है)

20. रुद्रप्रयाग का कौन-सा नगरीय क्षेत्र 'अलकनंदा और मंदाकिनी के संगम' पर स्थित है?

A) तिलवाड़ा

B) अगस्त्यमुनि

C) गुप्तकाशी

D) रुद्रप्रयाग

Answer: D

21. रुद्रप्रयाग में सर्वाधिक महत्वपूर्ण जातीय नृत्य कौन-सा है?

A) छोलिया

B) झोड़ा

C) पांडव नृत्य

D) थड़िया

Answer: C

22. कौन-सा मंदिर कत्यूरी शैली में बना हुआ माना जाता है?

A) ओंकारेश्वर मंदिर

B) मक्कूमठ

C) कोटेश्वर महादेव

D) गुप्तकाशी का विश्वनाथ मंदिर

Answer: B

23. 'अनिकेत' नामक समाचार पत्र किस जिले से प्रकाशित होता है?

A) उत्तरकाशी

B) चमोली

C) टिहरी

D) रुद्रप्रयाग

Answer: D

24. रुद्रप्रयाग में किस कुंड में देवी पार्वती के स्नान करने की पौराणिक मान्यता है?

A) हंस कुंड

B) पार्वती कुंड

C) सरस्वती कुंड

D) नंदी कुंड

Answer: B

25. 'सिंगोली-भटवाड़ी' परियोजना किस नदी पर स्थित है?

A) मंदाकिनी

B) अलकनंदा

C) पिंडर

D) सरयू

Answer: A

26. निम्न में से कौन-सा प्रयाग 'बासुकी' और मंदाकिनी नदियों के संगम से बनता है?

A) कालीमठ प्रयाग

B) सूर्यप्रयाग

C) सोनप्रयाग

D) अगस्त्यप्रयाग

Answer: C

27. कथन (A) और कारण (R)

A: रुद्रप्रयाग में मिश्रित वन-खेती मॉडल सबसे सफल माना जाता है।

R: इस जिले में कृषि योग्य भूमि पूरे राज्य में सबसे कम है।

A) A और R दोनों सही व R, A का सही कारण

B) A और R दोनों सही पर R, A का सही कारण नहीं

C) A सही, R गलत

D) A गलत, R सही

Answer: A

28. देवरिया ताल किस पर्वत शृंखला के पार्श्व क्षेत्र में स्थित है?

A) चौखम्भा शृंखला

B) बंदरपूँछ शृंखला

C) त्रिशूल शृंखला

D) नंदा देवी शृंखला

Answer: A

29. कौन-सा मंदिर रुद्रप्रयाग जिले में 'कत्यूरी वास्तुकला' का उत्कृष्ट उदाहरण है?

A) त्रियुगीनारायण मंदिर

B) ओंकारेश्वर मंदिर

C) मक्कूमठ मंदिर

D) कार्तिकस्वामी मंदिर

Answer: C

30. 'गांधी सरोवर' किस नदी के अपवाह तंत्र से संबंधित है?

A) भागीरथी

B) मंदाकिनी

C) अलकनंदा

D) पिंडर

Answer: B

31. रुद्रप्रयाग जिले का कौन-सा स्थान पार्वती के तप और शिव-पार्वती विवाह से संबंधित है?

A) कालीमठ

B) त्रियुगी नारायण

C) उखीमठ

D) गुप्तकाशी

Answer: B

32. निम्न मिलान कीजिए:

सूची-I (बुग्याल) - सूची-II (स्थान)

1. कसनी खर्क – a. मदमहेश्वर क्षेत्र
2. बर्मी बुग्याल – b. रुद्रनाथ क्षेत्र
3. चोपता बुग्याल – c. तुंगनाथ क्षेत्र

A) 1-a, 2-b, 3-c

B) 1-b, 2-a, 3-c

C) 1-a, 2-c, 3-b

D) 1-c, 2-a, 3-b

Answer: A

33. केदारनाथ आपदा पुनर्निर्माण (NIM द्वारा) किस वर्ष आधिकारिक रूप से प्रारंभ किया गया?

A) 2013

B) 2014

C) 2015

D) 2016

Answer: B (11 Sept 2014 से)

34. रुद्रप्रयाग में कौन-सी नदी 'पश्चिम सीमा' का प्राकृतिक निर्माण करती है?

A) मंदाकिनी

B) अलकनंदा

C) नीलगंगा

D) विष्णुगंगा

Answer: B

35. रुद्रप्रयाग की कौन-सी प्रमुख नदी “कालीमठ” में पूजा-अर्चना से जुड़ी पौराणिक नदी है?

A) बासुकी नदी

B) लस्तर नदी

C) मधुगंगा नदी

D) सोन नदी

Answer: C

36. रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित वह कुण्ड जहाँ देवी के स्नान की मान्यता है–

A) सरस्वती कुंड

B) पार्वती कुंड

C) नंदी कुंड

D) हंस कुंड

Answer: B

37. Assertion – Reason

A: रुद्रप्रयाग को "शिवभूमि" भी कहा जाता है।

R: इस जनपद में शिव के सर्वाधिक मंदिर एवं पंचकेदारों का केंद्र क्षेत्र है।

A) A और R सही व R, A का सही कारण

B) A और R सही पर R सही कारण नहीं

C) A सही, R गलत

D) A गलत, R सही

Answer: A

38. रुद्रप्रयाग शहर का औसत भू-आकृतिक स्वरूप कैसा माना जाता है?

A) पाटीदार घाटी

B) संयुक्त शृंखलाबद्ध घाटी

C) दो नदियों का संगम-क्षेत्र

D) हिमानी अवसाद समभूमि

Answer: C

39. इनमें से कौन-सी झील 'अण्डाकार आकृति' के लिए जानी जाती है?

A) बदाणी ताल

B) सुखदी ताल

C) कलताल

D) देवरिया ताल

Answer: C

40. 'ध्यान गुफा' किस स्थान पर बनाई गई आधुनिक ध्यान-स्थली है?

A) गुप्तकाशी
B) तुंगनाथ
C) केदारनाथ
D) मदमहेश्वर

Answer: C

41. 'रम्भा कुंड' और 'हंस कुंड' किस तीर्थ क्षेत्र से जुड़े हैं?

A) उखीमठ
B) कालीमठ
C) केदारनाथ
D) सोनप्रयाग

Answer: C

42. निम्नलिखित में से कौन-सा रुद्रप्रयाग के प्रमुख पारंपरिक नृत्यों में शामिल नहीं है?

A) पांडव नृत्य
B) थड़िया नृत्य
C) बगड़वाल नृत्य
D) रंगा नृत्य

Answer: B

43. किस प्रयाग पर लस्तर नदी मंदाकिनी में मिलती है?

A) सोनप्रयाग

B) कालीमठ प्रयाग

C) सूर्यप्रयाग

D) अगस्त्यमुनि प्रयाग

Answer: C

44. अगस्त्यमुनि किस दो नदियों के संगम पर स्थित है?

A) मंदाकिनी-घूलगाड़

B) मंदाकिनी-मधुगंगा

C) अलकनंदा-नीलगंगा

D) सोन-बासुकी

Answer: A

45. रुद्रप्रयाग में कौन-सा प्रमुख पर्वत क्षेत्र "स्वाभाविक ऊर्जा केंद्र" माना जाता है जहाँ ध्यान-योग की प्राचीन परंपरा रही है?

A) क्रौंच पर्वत

B) चौखम्भा

C) बंदरपूँछ

D) त्रिशूल

Answer: A

46. पंचकेदारों में किस मंदिर में 'भुजाओं' की पूजा होती है?

A) कल्पेश्वर

B) मध्यमहेश्वर

C) रुद्रनाथ

D) केदारनाथ

Answer: C

47. किस स्थान को 'मंदाकिनी घाटी का प्रवेश द्वार' कहा जाता है?

A) तिलवाड़ा
B) उखीमठ
C) सोनप्रयाग
D) अगस्त्यमुनि

Answer: B

48. त्रियुगीनारायण मंदिर से जुड़ी "युगीय अग्नि" किसके प्रतीक रूप में जानी जाती है?

A) शिव के तप का
B) विवाह अग्नि का
C) महर्षि अगस्त्य के यज्ञ का
D) गंगा अवतरण का

Answer: B

49. रुद्रप्रयाग जिले में कौन-सी परियोजना मंदाकिनी नदी पर आधारित है?

A) पाला-मनेरी परियोजना
B) सिंगोली-भटवाड़ी परियोजना
C) कोटेश्वर हाइड्रो
D) भागीरथी HEP

Answer: B

50. किस धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल के रूप में उखीमठ प्रसिद्ध है?

A) बद्रीनाथ

B) केदारनाथ

C) तुंगनाथ

D) कल्पेश्वर

Answer: B